RNI No. DDHIN/2021/81605 | संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक | DARE TO SHARE

सुविचार

ज्ञान की रोशनी से
ही सफलता का सूरज
चमकता है.

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें-
9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || कार्यकारी संपादक : समीर गोहिल || वर्ष 5 || अंक : 04|| दमण गुरुवार, 21 अगस्त 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

दीव दौरे पर पहुंचे प्रशासक प्रफुल पटेल, विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

प्रफुल पटेल ने अधिकारियों-ठेकेदारों को दिए निर्देश – गुणवत्ता और समयबद्धता से पूरे हों कार्य

डेयर टू शेयर - दीव

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल मंगलवार को दीव के दौरे पर पहुँचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर उनके समुचित क्रियान्वयन की समीक्षा की। प्रशासक प्रफुल पटेल ने अपने दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया जिनमें – पोठिया दादा डायनासोर पार्क, वॉकवे, वडलीमाता स्कूल में हो रहे निर्माण कार्य, नवनिर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल पंचायत भवन, निर्माणाधीन आंगनवाड़ी, वणाकबारा खारवावाड़ में आंगनवाड़ी, वणाकबारा का नवनिर्मित पंचायत भवन, जलाराम सोसाइटी की 2 आंगनवाड़ियाँ तथा वणाकबारा में निर्माणाधीन जीपीएस-1 एवं जीपीएस-2 शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल ने सभी अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाएँ प्रदेश के नागरिकों की सुविधा और भविष्य को ध्यान में रखकर की जा रही हैं, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस दौरे में संघ प्रदेश प्रशासन के शीर्ष अधिकारी और दीव के जनप्रतिनिधि भी प्रशासक के साथ मौजूद रहे।

खानवेल में 79वां स्वतंत्रता दिवस: प्रशासक प्रफुल पटेल ने किया ध्वजारोहण, नमो विज़न पर दिया जोर

***प्रफुल पटेल बोले – नमो के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन सहित हर क्षेत्र में विकास पथ पर**

डेयर टू शेयर - खानवेल

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण-दीव में 79वें स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह खानवेल स्थित बिरसा मुंडा सरकारी प्राथमिक शाला में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि *माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल* ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हेलिकॉप्टर से फूलों की वर्षा कर देशभक्ति का अनोखा दृश्य प्रस्तुत किया गया। परेड निरीक्षण के बाद *प्रफुल पटेल* ने जनता को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि *माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (नमो) के नेतृत्व* में प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने '*विकसित भारत, **नया भारत* और *आत्मनिर्भर भारत' के विज़न पर बल देते हुए बताया कि मात्र 10 वर्षों में

भारत विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुँचने की तैयारी में है। दमण में अत्याधुनिक एयरपोर्ट, *नमो मेडिकल कॉलेज, बुलेट ट्रेन परियोजना और आयुष्मान भारत योजना जैसे कार्यों को उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम बताया।

प्रफुल पटेल ने शिक्षा क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सिलवासा का झंडा चौक सरकारी स्कूल पूरे भारत का एकमात्र ऐसा स्कूल है जहाँ एक साथ 12,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। वहीं, दीव का दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान और दमण का दूसरा स्थान हासिल करना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खानवेल रिवर फ्रंट, दमण नाइट मार्केट और कोन्वेंशन सेंटर जैसी नई पर्यटन परियोजनाओं का उल्लेख किया। साथ ही "*वोकल फॉर लोकल*" पर जोर देते हुए प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि गणपति, नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहारों में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होमगार्ड श्री शैलेश देवराम चौधरी को साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा हर घर तिरंगा अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सिलवासा नगरपालिका, खानवेल पंचायत और अन्य विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान और आकाश में तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर हुआ। इसके बाद

प्रफुल पटेल ने स्वतंत्रता सेनानियों, जनप्रतिनिधियों और विद्यार्थियों से भेंट की। शाम को सिलवासा स्थित दमणगंगा सर्किट हाउस में *प्रशासक प्रफुल पटेल* के मार्गदर्शन में "*स्नेह मिलन*" का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी और मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सांसद मोहन डेलकर आत्महत्या केस: FIR रद्द करने का आदेश बरकरार

डेयर टू शेयर - सिलवासा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दादरा और नगर हवेली के सात बार के सांसद मोहन डेलकर की आत्महत्या से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए FIR रद्द करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि उपलब्ध सामग्री इतनी पर्याप्त नहीं है कि नौ आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत दोषी ठहराया जा सके। मामला क्या था? 22 फरवरी 2021 को सांसद मोहन डेलकर मुंबई के एक होटल में मृत पाए गए थे। मौके से बरामद 14 पन्नों के सुसाइड नोट में उन्होंने कथित राजनीतिक दबाव और उत्पीड़न का जिक्र किया था। मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR में IPC की धारा 306, 506 और 389 लगाई गई थी। आरोप था कि डेलकर को केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन द्वारा परेशान किया जा रहा था, जिसमें तत्कालीन प्रशासक प्रफुल पटेल का नाम भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती डेलकर के पुत्र अभिनव मोहन डेलकर ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। लेकिन आज शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि— केवल अपमानित या दबाव महसूस करना आत्महत्या के लिए उकसाने (Abetment of Suicide) के अंतर्गत नहीं आता। अदालत ने उदाहरण दिया कि यदि किसी व्यक्ति को "जा कर मर जा" कहा जाए और वह 48 घंटे के भीतर आत्महत्या कर ले, तो भी धारा 306 स्वतः लागू नहीं होगी। क्याकहाअदालतने?सुप्रीमकोर्टनेकहाकि: "रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्य इतने पर्याप्त नहीं हैं कि यह साबित किया जा सके कि आरोपियों ने जानबूझकर मोहन डेलकर को आत्महत्या के लिए मजबूर किया।" इस प्रकार, सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश की पुष्टि की और नौ आरोपियों (जिनमें प्रशासक प्रफुल पटेल भी शामिल थे) के खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने का फैसला कायम रखा।

संपादकीय

देश के सामने चुनौतियाँ

देश ने अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया है। इस अवसर पर उपलब्धियों का जश्न मनाने की कोई कमी नहीं है। भारत ने जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, वे कोई छोटी उपलब्धि नहीं हैं क्योंकि मतभेदों और विविधताओं के बावजूद, भारत दशकों से एकजुट रहा है और धीरे-धीरे मजबूत होता गया है। उदाहरण के लिए, इस वर्ष मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत में राष्ट्रीय एकता की भावना अपने चरम पर थी। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, पूरे देश ने न केवल एक साथ शोक मनाया, बल्कि जवाब देने की बारी आने पर सरकार और सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा रहा। ऑपरेशन सिंदूर में, पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को नष्ट कर दिया गया और फिर पाकिस्तानी सेना के उकसावे का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया। इसके साथ ही, भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में एक नई रेखा खींची है। आर्थिक दृष्टि से भी, भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले कुछ दशकों में, देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ी है, जिससे देश में गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है। एक राष्ट्र के रूप में, भारत के पास जश्न मनाने के लिए कई उपलब्धियाँ हैं, लेकिन यह अपनी कमियों पर विचार करने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति बनाने का भी अवसर है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक, यानी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह निस्संदेह एक स्वागत योग्य लक्ष्य है, लेकिन इस बात पर भी चर्चा ज़रूरी है कि क्या भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था इस सपने को साकार करने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हम सभी इस बात से सहमत हैं कि भारत को और तेज़ गति से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। हालाँकि, अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पिछले कुछ दशकों की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाए हैं, जिसमें रूस से खरीदे जाने वाले तेल पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। यह स्थिति गंभीर है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। हालाँकि आने वाले हफ़्तों में स्थिति में सुधार की उम्मीद है, लेकिन इतने ऊँचे टैरिफ का देश में निर्यात, विकास और रोज़गार सृजन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंध लगातार मज़बूत हो रहे थे, लेकिन अचानक स्थिति बदल गई। इसे देखते हुए, हमें यह समझना होगा कि असल में समस्याएँ क्या थीं और भारत अपना अस्तित्व कैसे पुनः प्राप्त कर सकता है। यह इस बात पर चर्चा करने का एक उपयुक्त समय है कि भारत को किस प्रकार की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना चाहिए ताकि युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए विकास लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सके। आने वाले वर्षों और दशकों में भारत क्या हासिल करेगा, यह काफी हद तक भारत की राजनीति और शासन की दिशा और दशा पर निर्भर करता है। मज़बूत संस्थाओं द्वारा समर्थित एक खुली, नियम-आधारित व्यवस्था भारत के लिए बेहतर साबित होगी। भारत की व्यवस्था में कुछ संस्थाओं ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। उदाहरण के लिए, संसद या राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण विधेयक बिना ज़्यादा चर्चा के पारित हो जाते हैं। कभी-कभी बहुमत भेड़ों के झुंड जैसा होता है। भाजपा शासित राज्यों में, विधानसभा सत्र से पहले, विधायकों को पार्टी द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक सूची दी जाती है। विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र के वास्तविक प्रश्न नहीं पूछ सकते। विधायक रेल मंत्रालय से भी प्रश्न पूछते हैं, जैसे मुंबई जाने वाली ट्रेन के लिए किसी गाँव में ठहराव की माँग करना। क्योंकि पार्टी का यह अलिखित आदेश है कि जो पूछा जाना चाहिए, वह न पूछा जाए। लोकतंत्र को पंगु बनाने वाले ये सभी तरीके बढ़ते जा रहे हैं और यह एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष भारत के चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है। ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं आई। चुनाव आयोग का निष्पक्ष आचरण भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की नींव है, जिस पर बाकी सब कुछ निर्भर करता है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मतदाताओं, दोनों के मन में किसी भी प्रकार का संदेह या भ्रम नहीं होना चाहिए।

संपादक: मनोज रावल

दमन जिला स्तरीय इंटर-स्कूल प्रतियोगिता सम्पन्न : चेस अंडर-17 गर्ल्स एवं अंडर-19 गर्ल्स इवेंट में हुई स्पर्धा

डेयर टू शेयर - दमण

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन के युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग, दमण द्वारा प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व, विभाग के सचिव डॉ. अरुण टी. के मार्गदर्शन तथा निदेशक अरुण गुप्ता के सहयोग से 01 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक जिला स्तरीय इंटर-स्कूल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता श्रृंखला में ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, चेस, बॉक्सिंग, योगासन, बैडमिंटन, कराटे एवं कैरम जैसी विभिन्न खेल स्पर्धाएँ शामिल हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, प्रतिभा का विकास करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं हेतु प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन करना है। इसी कड़ी में 18 अगस्त 2025 को चेस (अंडर-17 गर्ल्स एवं अंडर-19 गर्ल्स) प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें

खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंडर-17 गर्ल्स वर्ग – परिणाम: प्रथम स्थान – किंजल बावने (इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा) द्वितीय स्थान – शिल्पी भगत (जी. एच.एस., नानी दमन) तृतीय स्थान – शीतल शर्मा (जी.एच.एस., नानी दमन) चतुर्थ स्थान – अंशु चौरसिया (सार्वजनिक विद्यालय) चवाँ स्थान – आराध्य माने (वात्सल्य स्कूल) अंडर-19 गर्ल्स वर्ग – परिणाम: प्रथम स्थान – अनन्या गदरे (सार्वजनिक विद्यालय) द्वितीय स्थान – अक्षता जैन (होली ट्रिनिटी स्कूल) तृतीय स्थान – उमंग चौधरी (होली ट्रिनिटी) चतुर्थ स्थान – मंजरी मेनन (इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा) पाँचवाँ स्थान – प्रजल कटकर (श्री माछी महाजन स्कूल) प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। साथ ही दोनों वर्गों के शीर्ष पाँच खिलाड़ियों का संघ स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयन किया गया। इस प्रतियोगिता की सफलता में विभाग के खेल संयोजक श्री देवराज सिंह राठौड़, चेस कोच श्री विक्रम मिश्रा, शारीरिक शिक्षक अमित इंगवले, अजय पटेल एवं विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

उमरगाम के खटलवाड़ा में स्कूल तक जाने वाली सड़क अधूरी

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड जिले के उमरगाम तालुका के खटलवाड़ा गाँव में एक गंभीर समस्या सामने आई है। वारली-वाड फलिया से संजन-बंदर माछीवाड़ फलिया स्कूल तक जाने वाली सड़क लंबे समय से अधूरी है। बारिश के मौसम में यह सड़क और भी खतरनाक हो जाती है। इस सड़क पर जलभराव के कारण छात्रों और बुजुर्गों को स्कूल और दैनिक कार्यों के लिए जाने में परेशानी होती है। महिलाओं और बच्चों को जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती है। खटलवाड़ा पंचायत सदस्य परिमल सुनीलभाई महली ने सरपंच और तलाटी को लिखित रूप से ज्ञापन दिया है। उन्होंने कई बार यह मुद्दा उठाया है। लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता के कारण समस्या सर्वत्र है। ग्रामीणों की मांग है कि खटलवाड़ा सरपंच इस काम को प्राथमिकता दें। गाँव में अन्य विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। अगर इस सड़क की मरम्मत हो जाए, तो बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षा मिलेगी। जान-माल का खतरा भी कम होगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि विकास कार्यों की सूची में इस सड़क को प्राथमिकता दी जाए ताकि महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सिलवासा में किडनैपिंग गैंग का आतंक!

सिलवासा में किडनैपिंग की कोशिश नाकाम, युवक पर तलवार और लोहे की पाइप से जानलेवा हमला – "बाबा ग्रुप" गैंग का आतंक उजागर

सोसाइटी में घुसकर हमला, नमो अस्पताल में भर्ती आर्यन को लगे 18 टांके – सिलवासा में कानून व्यवस्था पर सवाल

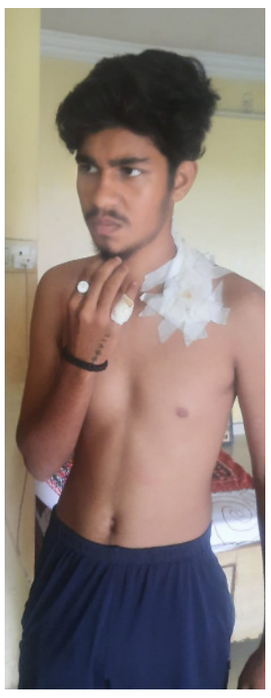

डेयर टू शेयर - सिलवासा

गार्डन सिटी सोसाइटी अब दहशत के साए में है। 18 अगस्त की शाम करीब *आठ नकाबपोश बदमाशों ने सोसाइटी में घुसकर युवक की किडनैपिंग की कोशिश* की। जब मंशा पूरी नहीं हुई तो आरोपियों ने युवक *आर्यन द्विवेदी* पर तलवार और लोहे की पाइप से हमला बोल दिया। आर्यन गंभीर रूप से घायल हुआ और उसे *नमो अस्पताल* में भर्ती कराया गया, जहाँ उसके शरीर पर *18 टांके आए*। चश्मदीदों के मुताबिक, हमलावर *DN 09 0080 वरना कार, एक बोलेरो और दो स्कूटी* से पहुंचे थे। मुख्य आरोपी *यश पटेल* ने तलवार से आर्यन को लहूलुहान कर दिया जबकि अन्य ने लोहे की पाइप से ताबड़तोड़ वार किए। शोर सुनते ही सोसाइटी के गार्ड और लोग दौड़े, जिससे आर्यन किसी तरह बचकर अपने फ्लैट में भागा। लेकिन हमलावर उसे पकड़ने के लिए *पहली मंजिल तक चढ़ गए* और एक व्यक्ति की बाइक तोड़कर फरार हो गए। सोसाइटी में घुसकर इस तरह की वारदात ने सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि अगर गार्ड समय पर न आते तो युवक की जान चली जाती। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा* सूत्रों के मुताबिक, आरोपी *"बाबा ग्रुप" नामक गिरोह* से जुड़े हुए हैं। ये गिरोह प्राइवेट स्कूल के छात्रों पर दबाव बनाकर उन्हें अपने ग्रुप में शामिल करने की कोशिश करता है। आर्यन ने जब इसका विरोध किया, तो उसे मौत के घाट उतारने की कोशिश की गई। यह कोई पहली घटना नहीं है। हाल ही में सिलवासा के सरकारी स्कूल में भी छात्रों के बीच *चाकूबाजी* हुई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं ने सवाल खड़ा कर दिया है कि *नाबालिग और स्कूली छात्र आखिर अपराध की राह पर क्यों बढ़ रहे हैं?* चिंताजनक स्थिति सोसाइटी में घुसकर तलवार और पाइप से हमला – *लोग अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं।* नाबालिगों के गैंग "बाबा ग्रुप" का आतंक – *पुलिस की पकड़ से बाहर।* लगातार बढ़ रहे हमले – *कानून व्यवस्था पर गहरे सवाल।* फिलहाल पुलिस ने FIR दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।* लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन ऐसे असामाजिक तत्वों पर लगाम कस पाएगा या फिर *सिलवासा गैंगवार और स्टूडेंट क्राइम का हब* बनता जा रहा है?

नरोली पंचायत में नए डाकघर का लोकार्पण

डेयर टू शेयर - नरोली

नरोली पंचायत में काफी समय से डाकघर न होने से ग्रामवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा था, क्योकि नरोली में जगह की अभाव में यहां का डाकघर वैकल्पिक रुप से भिलाड में स्थापित था, जहां से डाक संबंधित सेवा कार्य संचालित किया जा रहा था। लेकिन ग्रामिणों के प्रयास एवं प्रशासन की गंभीरता से अब नरोली में धपसा में स्थाई रुप से नया डाकघर खुलने से लोगों ने खुशी व्यक्त की है। सरपंच और स्थानीय नेताओं ने डाकघर की समस्या के संबंध में कलेक्टर को एक लिखित ज्ञापन दिया और बताया

कि नरोली धपसा क्षेत्र में दो सरकारी आवास खाली हैं, जहाँ यदि डाकघर के लिए जगह आवंटित कर दी जाए तो स्थानीय लोगों को काफी राहत मिल सकती है। कलेक्टर ने भी इस मुद्दे को संज्ञान में लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सूचित किया। बाद में, खाली पड़े इन सरकारी आवासों को आवंटित कर दिया गया। नरोली गांव की सरपंच लीनाबेन पटेल और योगेश सिंह सोलंकी ने वलसाड डाकघर के अधिकारियों को लिखित में सूचित किया कि नरोली शाखा को भिलाड में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिसे नरोली गांव में ही फिर से खोल दिया गया। और 15 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी के परिवार के सदस्यों द्वारा नरोली धापसा में डाकघर का उद्घाटन किया गया। ग्रामीण इस डाकघर को वापस नरोली गांव में देखकर खुश थे और उन्होंने कहा कि इस डाकघर के वापस नरोली गांव में होने से उन्हें काफी राहत मिली है। इस अवसर पर सरपंच लीनाबेन पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदनाबेन पटेल, उपसरपंच पीयूष सिंह गोहिल, पंचायत सदस्य योगेश सिंह सोलंकी, यजुवेंद्र सिंह सोलंकी, सदस्य, ग्राम प्रधान चंद्रसिंह चौहान सहित ग्रामीण मौजूद थे।

"संत निरंकारी मिशन ने मुक्ति पर्व पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया"

सेलवास और उमरगाम में 611 निरंकारी भक्तों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया

डेयर टू शेयर - सेलवास

नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करने की सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं को अपनाते हुए, संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में, स्वतंत्रता दिवस, शुक्रवार, 15 अगस्त को सेलवास और उमरगाम में आयोजित दो रक्तदान शिविरों में कुल 611 निरंकारी भक्तों ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान किया। सेलवास में 306 यूनिट रक्तदान डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राजकीय महाविद्यालय हॉल, डोकमर्डी, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में 306 निरंकारी भक्तों ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान किया। संत निरंकारी मिशन की सेलवास, गलोंडा और करजागाम शाखाओं के श्रद्धालुओं ने इस शिविर में बड़ी संख्या में भाग लिया, जिसमें रेड क्रॉस रक्तदान केंद्र, सेलवास द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन दक्षिण गुजरात के प्रभारी श्री ओंकार सिंह जी करकमलो ने किया। उन्होंने कहा कि निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन मार्गदर्शन में, संत निरंकारी मिशन रक्तदान के अलावा देश-विदेश में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस रक्तदान शिविर में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने मिशन द्वारा किए गए मानवीय कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और समाज कल्याण समन्वयक, दादरा नगर हवेली एवं दमन के सेक्टर समन्वयक, गलोंडा शाखा प्रमुख, करजागाम शाखा प्रमुख के मार्गदर्शन में स्थानीय सेवादल पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उमरगाम में 305 यूनिट रक्तदान संत निरंकारी मिशन के सूरत ज़ोन के अंतर्गत उमरगाम स्थित आदर्श बुनियाद गुजराती कन्याशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में 305 निरंकारी भक्तों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस शिविर में उमरगाम और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में निरंकारी भक्तों ने भाग लिया, जिसमें वलसाड रक्तदान केंद्र और जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा रक्त एकत्रित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन सूरत ज़ोन प्रभारी श्री ओंकार सिंह जी करकमलो ने किया। उन्होंने कहा कि मुक्ति पर्व के अवसर पर शहंशाह बाबा अवतार सिंह जी, जगत माता बुद्धवंती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी, संतोख सिंह जी और अन्य भक्तों ने मानवता को सच्चे ज्ञान के दिव्य प्रकाश से आलोकित किया था, जिन्हें स्मरण करते हुए भक्तों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उमरगाम सेक्टर के संयोजक, सूरत क्षेत्र के जिला व्यवस्थापक, आसपास की शाखाओं के प्रमुखों के अलावा मिशन के अनेक प्रबंधक और पदाधिकारी उपस्थित थे। स्थानीय सेवादल इकाई के सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

दमण में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

डेयर टू शेयर - दमण

संघ प्रदेश दमण में 79 वां स्वतंत्रता दिवस पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। समारोह में विभिन्न स्थानीय स्वराज्य संस्था के जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, स्थानीय नागरिक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात, जिलाधिकारी सौरभ मिश्रा ने प्रशासक प्रफुल पटेल के सक्षम नेतृत्व में विगत 9 वर्षों में संघ प्रदेश दमण में हुए विकास कार्यों पर अपने संबोधन में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन 9 वर्षों में बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और स्वच्छता के क्षेत्र में विकास किए गए हैं। जिलाधिकारी सौरभ मिश्रा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व में तथा माननीय प्रशासक की दूरदर्शी सोच और कुशल मार्गदर्शन के कारण संघ प्रदेश दमण ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। शिक्षा के क्षेत्र की बात करें तो जिला में 07 नए स्कूल भवनों का निर्माण किया गया है और 04 के लिए कार्य आदेश जारी किए गए हैं। गवर्नमेंट कॉलेज के निर्माण का 40% काम पूरा हो गया है तथा शीघ्र ही नर्सिंग कॉलेज एवं होस्टल बिल्डिंग तथा निफ्ट कैम्पस का भी निर्माण आरंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 6 से 12 तक की सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम में बदल दिया गया है तथा 2025-26 में कक्षा 5 की कक्षाओं को भी स्मार्ट क्लासरूम में बदल दिया जाएगा। जिलाधीश ने बताया कि प्रदेश के छात्रों के लिए यह खुशी की बात है कि अब उन्हें आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों से जेईई और नीट की ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि मरवड़ में 300 बेड वाले सरकारी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। जिलाधीश ने बताया कि उद्योग के क्षेत्र में काम करते हुए प्रशासन ने औद्योगिक क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है जिसके चलते 33 नागरिक और 116 व्यवसाय-संबंधी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हमारे संघ प्रदेश को देश के 34 Export-Oriented Districts में से एक के रूप में चिन्हित किया है। दमण जिला को घरेलू सामान, प्लास्टिक उत्पाद, दवाइयाँ और केबल के निर्यात हेतु विशेष रूप से चिन्हित किया गया है। प्रदेश में PM Formalization of the Micro Food Processing Enterprise (PMFME) योजना लागू की गई है। 05 Entrepreneurs और 60 SHG सदस्यों को इस योजना का लाभ दिया गया है। पीएम गति शक्ति पोर्टल पर प्रदेश की सभी परियोजनाओं को नियमित रूप से अपलोड किया जाता है। उन्होने कहा कि Safe Daman Project के अंतर्गत Integrated Command and Control Centre स्थापित किया गया है तथा विभिन्न जगहों पर 574 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। इससे अपराध एवं यातायात नियमों के उल्लंघन का पता लगाने में मदद मिली है। अपराध की तेज और सटीक जांच सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग को मोबाइल फॉरेंसिक वैन भी उपलब्ध कराई गई है।

जिला में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु विकास की कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। जम्पोर में एवीयरी का निर्माण किया गया है। नमोपथ एवं रामसेतु सैलानियों के आकर्षण का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बना हुआ है। नानी दमण में Go-Karting सुविधा शुरू की गई है। इसी क्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण, 2025 में दमण को भारत सरकार द्वारा "Promising Swachh Shahar" के सम्मान से नवाजा गया है। उन्होंने कहा कि यदि हम पूर्ण प्रतिबद्धता, कुशलता और धैर्य के साथ मिलकर कार्य करेंगे to हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मेक इन इंडिया" तथा "आत्मनिर्भर भारत" के सपने को साकार कर पाएंगे. कार्यक्रम के अंत में जिलाधीश ने विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल रहे छात्रों को भी पुरस्कृत किया। गौरतलब है कि, 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दमण नगरपालिका, जिला पंचायत, सभी पंचायतों तथा सभी विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

आदि कर्मयोगी अभियान' के अंतर्गत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले

डेयर टू शेयर - दमन

युवा भाजपा आदिवासी नेता रमेश कड़ू और विक्रम हलपति दमण। भाजपा दानह एवं दमन दीव प्रदेश के युवा आदिवासी नेता रमेश कड़ू और दमन के हलपति आदिवासी समाज के युवा नेता और दमन जिला हलपति समाज के अध्यक्ष विक्रम हलपति ने आज महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुरमू जी से आज मुलाकात की। विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले विविध पृष्ठभूमि के प्रतिष्ठित जनजातीय व्यक्तियों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वे जनजातीय कार्य मंत्रालय के 'आदि कर्मयोगी अभियान' के अंतर्गत राष्ट्रपति भवन आए थे। राष्ट्रपति जी ने कहा कि हमें अपने जनजातीय समुदायों के अमूल्य ज्ञान, उनकी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति प्रेम पर आधारित उनकी जीवनशैली को संरक्षित करना होगा। हमें उन्हें इस प्रकार सहयोग देना होगा कि वे उचित सम्मान और गरिमा के साथ राष्ट्र की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

रामानंद संप्रदाय द्वारा आयोजित सिलवासा में तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ में बरस रही श्रद्धा

डेयर टू शेयर - सिलवासा

प्रवचनकार भूषण रोहित मोडे के मुखारविंदु से भक्त कर रहे श्रवण सिलवासा। गायत्री मंदिर ग्राउंड, आमली चार रास्ता पर रामानंद संप्रदाय द्वारा जगदुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी की प्रेरणा से 19 अगस्त 2025 से 21 अगस्त तक तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। इस दौरान प्रवचनकार भूषण रोहित मोडे जी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस श्रीकथा का उद्देश्य जगतगुरू श्री द्वारा लिखे हुए दिव्य ग्रंथ पर चर्चा कर बिखरे हुए हिन्दुओं को जागृत और संगठित करना है। क्योंकि कलियुग में अध्यात्म, व्यवहार, और विज्ञान को सहयोग करके मानव किस प्रकार सुखी जीवन जी सके इन विषयों को ध्यान में रखते हुए इस श्री कथा का आयोजन किया जाता है। इस संप्रदाय द्वारा पूरे भारत में एम्बुलेंस सेवा, अब तक 135 से अधिक बॉडी डोनेट, हर साल 1 लाख से अधिक रक्त संग्रह इसके अलावा कई प्रकार की सेवाएं जगतगुरू के मार्गदर्शन में समाज के लिए मुफ्त में दी जाती है। सिलवासा में रामानंद संप्रदाय द्वारा तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ के आयोजन में कल यानी 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे चरण पादुका एवं ग्रन्थ पूजन तथा आरती कथामृत रसपान और दिव्य रासलीला, आरती तथा कथा के बाद प्रसादी वितरण होगा। तृतीय दिवस यानि 21 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे से तीर्थक्षेत्र नाणीजधाम दर्शन, उपासना विधी पर मार्गदर्शन, प्रसादी वितरण, चरणपादुका एवं ग्रन्थ पूजन तथा आरती, भगवान श्रीद्वारा उपासना विधि उपदेश, उपासना यज्ञ, भगवान द्वारा उपासना विधि संस्कार, कथामृत रसपान, दिव्य रासलीला आरती के बाद इस तीन दिवसीय श्रीकथा ज्ञान यज्ञ का समापन किया जाएगा।

राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल में प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला में पार्टी के मजबूती पर मंथन

डेयर टू शेयर - सिलवासा

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण दीव भाजपा की एक दिवसीय संगठनात्मक कार्यशाला में पार्टी एवं संगठन को मजबूत करना तथा अंतिम छोर के व्यक्ति को पार्टी के विचारधारा से जोडने एवं मोदी सरकार के द्वारा चलाई जा रही तमाम विकासीय एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडकर उन्हे मुख्य धारा में लाने पर मंथन हुआ। प्रदेश भाजपा पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं में नया जोश जगाने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्रा सुनील बंसल और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला की विशेष उपस्थिति ने कार्यशाला के उदेश्य के महत्व को और बढा दिया। इस अवसर पर वक्ताओ ने कार्यकर्ताओं में मंथन करके मूल मंत्र भी प्रदान किए। भारतीय जनता पार्टी दादर नगर हवेली एवं दमण दीव के सिलवासा स्थित भाजपा कार्यालय अटल भवन पर आयोजित प्रदेश संगठनात्मक कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष महेश अगरिया , प्रदेश महामंत्री जिग्नेश भाई पटेल, सुनील पाटिल, पूर्व सांसद लालूभाई पटेल, प्रदेश के सभी पदाधिकारी गण, सभी चुने हुए जनप्रतिनिधि, सभा जिला के अध्यक्ष, सभी मंडलो के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

आजादी के जश्न में नेवी "आपरेशन सिंदूर 25" बैन्ड कॉन्सर्ट ने मचाया धूम

देश भक्ति और अखंडता की धुनों पर झूमे प्रदेशवासी

डेयर टू शेयर - सिलवासा

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, भारतीय नौसेना ने सिलवासा के एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में "आपरेशन सिंदूर 25" बैन्ड कॉन्सर्ट का भव्य आयोजन कियी था। जिसमें सिलवासा और आस-पास के क्षेत्रों से करीब हजार छात्र-छात्राएं एवं एनसीसी कैडेट ने उत्साहपुर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन गुजराती भाषा में किया गया, जिससे स्थानीय छात्र-जनता से बेहतर संवाद स्थापपत हुआ। नौसेना के प्रतिस्थित आईएनएस कुंजली बैन्ड ने बारह देशभक्ति और बॉलीवुड गीतों का दमदार प्रदर्शन किया, जिसमें "जय भारती", "सारे जहाँ से अच्छा", "तेरी समट्टी" और "लेहरा दो" जैसे गीत शामिल थे, जिन्होंने समस्त दर्शको के हृदयो को झंकृत कर दिया। उपस्थित सभी दर्शक नौसेना की इस प्रस्तुति से अत्यंत प्रसन्न हुए और स्वतंत्रता दिवस के महत्व को पुन: महसूस किया। 79वें स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर, भारतीय नौसेना ने देश की रक्षा एवं विकास के लिए समर्पित होने का संकल्प दोहराते हुए, युवाओं समेत सभी योग्य नागरिको से आह्वान किया कि वे भी समलकर अपने महान देश की सेवा एवं संरक्षा में अपना

आस्था एवं उत्साह के बीच श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम

घर से लेकर मंदिरों तक जय कन्हैया लाल की गूंज, पालनहार के अवतरण से गद-गद हुए भक्त

डेयर टू शेयर - सिलवासा

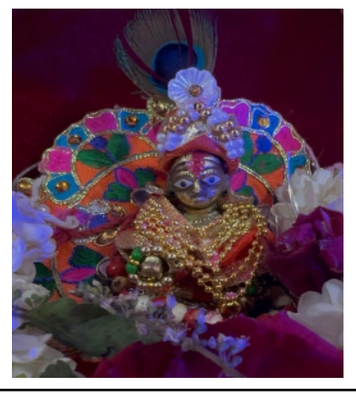

सिलवासा सहित पूरे प्रदेश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धाभाव एवं विश्वास के साथ मनाया गया, हर तरफ नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारे से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। भक्तों ने अपने घरों में भगवान के अवतरण को लेकर आकर्षक जांकिया सजाई थी, स्वागत में भजन, किर्तन एवं मंगल गीत गाए जा रहे थे। जैसे ही रात्री बारह बजेका समय हुआ भगवान के जयकारे के बीच आरती, शंख, ढोल बाजों की जलकार से भगवान की आरती उतारी ग, मंदिरों एवं शिवालयों में विशेष आयोजन किए गये थे, जहां भारी तादात में सुबह से शाम तक भक्तों की भीड देखी गई। सिलवासा के गायत्री मंदिर, बालाजी मंदिर, जलाराम मंदिर, साई मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों सहित सोसायटीओं एवं सार्वजनिक जगहों पर जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसके साथ ही दही हंडी में भी युवाओं ने जमकर गोविंदा खेल के जरीये भगवान कृष्ण के नट-खट लिलाओं की यादे तरोताजा कर दिया।

सिलवासा खंडनीखोर कथित पत्रकारों पर प्रशासन का शिकंजा – कंपनियों ने ली राहत की सांस

सिलवासा में हेमंत मिश्रा और कुमारकांत झा के खिलाफ FIR, लेकिन पुलिस का प्रेस नोट अब तक जारी नहीं

डेयर टू शेयर - सिलवासा

दादरा नगर हवेली और दमन-दीव में लंबे समय से औद्योगिक जगत को परेशान करने वाले खंडनीखोर कथित पत्रकारों पर अब प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल ने खुले मंच से ही इन कथितों को चेतावनी दी थी। प्रशासक की इस सख्त चेतावनी के बाद कंपनियों को बड़ी राहत मिली है और अब यह साफ संकेत गया है कि मीडिया के मुखौटे में छिपे इस नए किस्म के वसूली तंत्र पर लगाम कसी जाएगी।

FIR दर्ज – कंपनियों पर दबाव डालकर मांगे 4 लाख

सूत्रों के अनुसार, प्रशासक के निर्देशों के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सिलवासा के कथित पत्रकार हेमंत मिश्रा और कुमारकांत झा के खिलाफ सिलवासा पुलिस स्टेशन में FIR (क्रमांक 102/2025) दर्ज की है। आरोप है कि दोनों अपने साथियों के साथ पिपरिया स्थित क्लीपको कंपनी में जबरन घुसे, वीडियो शूट किया और कंपनी को न्यूज चैनल पर बदनाम करने की धमकी देकर 4 लाख की मांग की। कंपनी का कहना है कि उसका छोड़ा गया पानी पूरी तरह प्रोसेस्ड है और पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है। बावजूद इसके, आरोपियों ने झूठे आरोप लगाकर कंपनी से वसूली की कोशिश की।

अभी तक पुलिस का कोई प्रेस नोट नहीं!

चौंकाने वाली बात यह है कि इस गंभीर मामले में सिलवासा पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रेस नोट जारी नहीं किया गया है, जबकि आम तौर पर पुलिस हर छोटे-बड़े मामले में

तुरंत प्रेस नोट जारी करती है। इससे कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मोबाइल जांच से खुल सकते हैं कई राज़

पुलिस जांच सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों के मोबाइल फोन और व्हाट्सऐप चैट से कई और कंपनियों के खिलाफ की गई ब्लैकमेलिंग की पोल खुल सकती है। जानकार मानते हैं कि जैसे कुछ समय पहले दीव के एक मामले में मोबाइल जांच से कई बड़े नाम सामने आए थे, वैसे ही सिलवासा केस में भी और कई खुलासे होने की संभावना है।

यूट्यूबरों और कथित पत्रकारों का नया धंधा – कैमरे और माइक्रोफोन के सहारे ब्लैकमेलिंग

प्रदेश में बीते वर्षों में मोबाइल और माइक लेकर यूट्यूबर बनने का चलन तेजी से बढ़ा है। इनमें से अधिकांश के पास न तो कोई स्थायी काम है और न ही कोई व्यवसाय। लेकिन ये लोग कंपनियों, दुकानदारों और यहां तक कि आम नागरिकों तक को बदनाम करने की धमकी देकर वसूली का धंधा चला रहे हैं। कुछ उद्योगपतियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये यूट्यूबर नेताओं और अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाकर उसका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए करते हैं। कई बार अपनी तथाकथित "एजेंसी" के नाम से कंपनियों को बिल भेजकर जबरन पैसे ऐंठते हैं। जहां "सेटिंग" हो जाती है, वहां से मासिक वसूली शुरू कर दी जाती है, और जहां इंकार होता है, वहां नकारात्मक खबरें चलाकर कंपनी की साख खराब कर दी जाती है।

उद्योग जगत को मिली राहत

प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ ये उद्योग हैं, जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। यूट्यूबरों का यह आतंक उद्योग और विकास दोनों पर सीधा प्रहार है। प्रशासक की चेतावनी और FIR दर्ज होने के बाद कंपनियों ने राहत की सांस ली है।

प्रशासक की अपील

प्रशासक प्रफुल पटेल ने कंपनियों से अपील की है कि वे किसी भी खंडनीखोर कथित यूट्यूबर पत्रकार के दबाव में न आएं और यदि वसूली का शिकार हों तो निडर होकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन और पुलिस पीड़ितों के साथ खड़ी है। भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश की दिशा में कदम यह मामला प्रदेश को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली से मुक्त कराने की दिशा में अहम साबित हो सकता है। अब जरूरत है कि उद्योग जगत एकजुट होकर इस नए किस्म के अपराध का बहिष्कार करे और हर गलत तत्व की शिकायत निडर होकर प्रशासन तक पहुंचाए।

फोटोशूट पत्रकारों पर नकेल कसना जरूरी

वसूली और ब्लैकमेलिंग को धंधा बनाने वाले कथित पत्रकार अब बेनकाब हो रहे हैं। हेमंत मिश्रा इसका ताज़ा उदाहरण है – जो प्रदेश के नेताओं और पुलिस अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाकर अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट कर "पावरफुल" छवि गढ़ता रहा। असलियत में यही फोटोशूट उसकी ढाल बनते रहे। डीपी बदलकर बर्थडे विश करने से लेकर बड़े अफसरों संग फोटो दिखा कर जनता के बीच धाक जमाना उसका हथियार था। अब सवाल यह उठता है कि जब ऐसे दागदार चेहरे उजागर हो चुके हैं, तो विभागों को भी सख्त कदम उठाने चाहिए। पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी फोटोशूट पत्रकारों से दूरी बनाएं, क्योंकि यही नजदीकियां बाद में उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने का ज़रिया बन जाती हैं। समय आ गया है कि प्रशासन और पुलिस ऐसे फोटो सेशन पत्रकारों पर नकेल कसकर आम जनता में साफ संदेश दे कि मीडिया के नाम पर चलने वाला यह गंदा खेल अब और बर्दाश्त नहीं होगा।

पुलिस अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाने का जुनून: कानून-व्यवस्था के लिए नया खतरा

वलसाड़ | डेयर टू शेयर रिपोर्ट

वलसाड़ जिले समेत कई स्थानों पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ फोटो खिंचवाने का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। चाहे पुलिस स्टेशन में किसी अफसर की नई पोस्टिंग हो, बर्थडे सेलिब्रेशन हो, या किसी एनजीओ प्रतिनिधि की मुलाकात, फोटो सेशन अब एक आम चलन बन चुका है। इस फोटो संस्कृति का उपयोग आमतौर पर लोग खुद को विशेष और प्रभावशाली साबित करने के लिए करते हैं। ये तस्वीरें अक्सर व्हाट्सएप स्टेटस और सोशल मीडिया पर शेयर की जाती हैं, ताकि समाज में वीआईपी छवि बनाई जा सके। पुलिस अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाने का बढ़ता चलन अब समाज में गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहा है। यह ट्रेंड केवल दिखावे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका दुरुपयोग वीआईपी छवि बनाने, डर पैदा करने, और यहां तक कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए हो रहा है। पुलिस का काम जनता की सेवा और सुरक्षा करना है, लेकिन हालात ऐसे बन रहे हैं कि पुलिस अधिकारी खुद सोशल मीडिया की चमक-दमक और छोटे उपहारों के लिए अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

पुलिस और समाज पर इसके प्रभाव

1. पुलिस की साख पर सवाल: पुलिस जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होती है। लेकिन जब आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोग या स्वार्थी तत्व पुलिस अधिकारियों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, तो यह संस्था की साख को नुकसान पहुंचाता है।
2. सामाजिक असंतुलन: इन तस्वीरों का उपयोग कई बार आम लोगों को डराने और व्यक्तिगत फायदे के लिए किया जाता है। तस्वीरें दिखाकर लोग खुद को प्रभावशाली साबित करते हैं और अपने अवैध कामों के लिए पुलिस के नाम का दुरुपयोग करते हैं।
3. अपराधियों को बढ़ावा: हाल ही में सूरत में एनडीपीएस (ड्रग्स और मादक पदार्थ) के मामले में पकड़े गए कुछ आरोपियों की पुलिस अधिकारियों और नेताओं के साथ तस्वीरें सामने आईं। इससे पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।

फोटो संस्कृति के नकारात्मक प्रभाव

1. अपराधियों को प्रोत्साहन: हाल के मामलों में देखा गया है कि कई अपराधियों ने पुलिस अधिकारियों के साथ खिंचवाई तस्वीरों का इस्तेमाल अपनी साख बढ़ाने और पुलिस का डर खत्म करने के लिए किया है। उदाहरण: सूरत में एनडीपीएस मामले में पकड़े गए आरोपियों के कई फोटो पुलिस अधिकारियों और नेताओं के

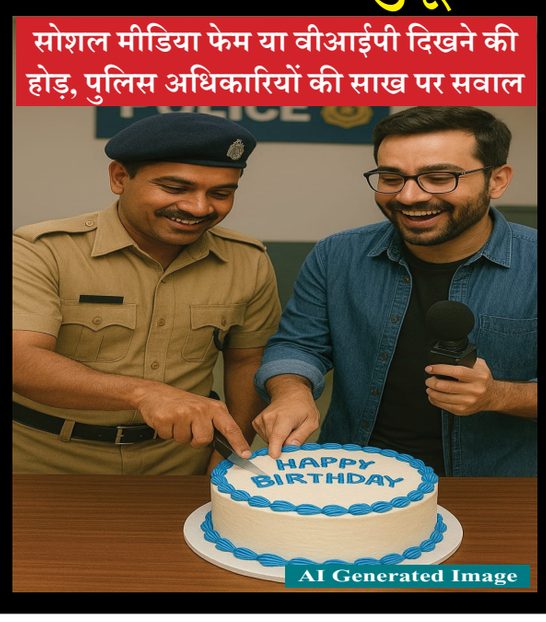

साथ सामने आए। यह साफ दिखाता है कि अपराधी इन तस्वीरों का उपयोग अपनी गतिविधियों को छुपाने और वैधता साबित करने के लिए कर रहे हैं।
2. पुलिस की साख पर दाग: एक अनुशासित और निष्पक्ष संस्था मानी जाने वाली पुलिस जब हर किसी के साथ फोटो खिंचवाने के लिए तैयार हो जाती है, तो इसकी गरिमा और निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।
3. जनता में भय और असुरक्षा: इन तस्वीरों का इस्तेमाल अक्सर आम लोगों को डराने और उनके खिलाफ दबाव बनाने के लिए किया जाता है। यह पुलिस और जनता के रिश्ते में अविश्वास पैदा करता है।
4. पुलिस की प्राथमिकता का नुकसान: अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बजाय, जब पुलिस अधिकारी फोटो खिंचवाने में समय बर्बाद करते हैं, तो यह उनके कामकाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

पुलिस का क्या कर्तव्य है?

फोटो खिंचवाने पर रोक: पुलिस अधिकारियों को चाहिए कि वे बिना किसी ठोस कारण के लोगों के साथ फोटो खिंचवाने से बचें।

सख्त गाइडलाइंस: पुलिस विभाग को इस चलन पर सख्त पाबंदी लगानी चाहिए और ऐसी गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना चाहिए।

अपराधियों से दूरी बनाए रखना: यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस की छवि का इस्तेमाल अपराधी अपने फायदे के लिए न कर सकें।

क्यों है यह चलन खतरनाक?

वीआईपी गिरी का दिखावा: पुलिस अधिकारियों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर लोग अपने आप को आम जनता से अलग और प्रभावशाली साबित करना चाहते हैं।

सामाजिक असमानता: इस तरह की तस्वीरें समाज में असमानता और असुरक्षा को बढ़ावा देती हैं।

समाज के लिए संदेश

पुलिस और जनता के बीच भरोसा और पारदर्शिता बनाए रखना बेहद जरूरी है। यह फोटो खिंचवाने का जुनून केवल दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि इसके पीछे के मकसद खतरनाक और कानून के खिलाफ हो सकते हैं। डेयर टू शेयर की चेतावनी अगर इस फोटो संस्कृति पर जल्द ही रोक नहीं लगाई गई, तो यह समाज और पुलिस व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकती है। पुलिस को अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए इस ट्रेंड को खत्म करना होगा। क्या आप भी इस फोटो संस्कृति से परेशान हैं? अपनी राय हमारे साथ साझा करें।

आज दिनांक 20.8.25 को डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेस ऑथॉरिटी, सिल्वासा की और से सुबह 9.30 am को गुजरात नॅशनल युनिव्हर्सिटी, सिल्वासा कॅम्पस मे प्रोग्राम का आयोजन किया गया. 6 विषयो पे वकील गण ने जाणकारी दी और special speech ये माननीय श्री जे व्हाय घुले सर CJM एवं मेंबर सेक्रेटरी DLSA इन्होने अच्छे से सभी संविधान के आर्टिकल के बारे मे जाणकारी दी. इस प्रोग्रॅम को success बनाने के लिये कॉलेज के सभी अध्यापक स्टाफ ने सहकार्य किया और DLSA के सहा. अधीक्षक अनिरुद्ध पगडे इनके देखरेख मे यशस्वी संपन्न हुआ.

पत्रकारिता की आड़ में खंडनीखोरी कथित पत्रकार आरोपी आलम की अग्रिम जमानत खारिज, FIR में दर्ज सभी आरोपी 18 दिन से वांटेड

डेयर टू शेयर - वापी

वापी GIDC की एक प्रतिष्ठित केमिकल कंपनी से 60,000 की खंडनी मांगने वाले कथित यूट्यूबर-इंस्टाग्राम कम पत्रकार अब पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इस मामले के आरोपी आलमभाई की अग्रिम जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी है। इसके बावजूद, FIR दर्ज हुए 18 दिन बीत चुके हैं और सभी आरोपी अभी तक वांटेड घोषित हैं। FIR में दर्ज आरोपी: मेरुभाई हमीरभाई गढ़वी, जितेन्द्र किशोरभाई वाडवेकर, अवनीशभाई, आलमभाई, दो अन्य अज्ञात आरोपी 21 जून 2025 को आरोपियों ने कंपनी के बाहर जमा बरसाती पानी का वीडियो बनाकर उसे केमिकलयुक्त गंदा पानी बताया। अगले दिन कंपनी में घुसकर मालिक को धमकी दी कि अगर 60,000 नहीं दिए गए तो यह वीडियो वायरल कर देंगे और जीपीसीबी में शिकायत कर कंपनी बंद करवा देंगे। कारोबारी से पहले 15,000 ऐंठे गए, बाद में 60,000 की मांग की गई। पुलिस की कार्रवाई केस दर्ज: BNS की धारा 308(6), 308(7), 54, अपराध: गंभीर, संज्ञेय और गैर-जमानती, सजा: 10 साल तक कैद + जुर्माना, जनता का कहना है जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी, परेड और रिकंस्ट्रक्शन करवाई जाए 18 दिन से आरोपी फरार – बड़ा सवाल? अदालत से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद भी आरोपी खुलेआम क्यों घूम रहे हैं? क्या पुलिस पर 'मीडिया माफिया' का दबाव है? क्या इस पूरे मामले के पीछे कोई संगठित रैकेट काम कर रहा है? उद्योग जगत में रोष वापी-वलसाड के व्यापारी और उद्योगपति गुस्से में हैं। उनका कहना है कि – अगर ऐसे 'कथित पत्रकारों' को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया तो औद्योगिक क्षेत्र का माहौल बिगड़ जाएगा। यह घटना पत्रकारिता नहीं, बल्कि ब्लैकमेलिंग का धंधा है। यह केस अब केवल एक कंपनी का नहीं, बल्कि वापी इंडस्ट्रियल ज़ोन में सक्रिय 'मीडिया माफिया सिंडिकेट' का बड़ा पर्दाफाश है। पुलिस को अब तुरंत सख्त कार्रवाई करनी होगी ताकि औद्योगिक जगत का विश्वास बहाल हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।